

New Testament Quotations from the Old Testament

Virgil Warren, PhD

LXX: wording following the Septuagint Greek translation of the Hebrew Old Testament

| | |
|--------------|--|
| Matthew 1:23 | < Isaiah 7:14 |
| 2:6 | < Micah 5:2 |
| 2:15 | < Hosea 11:1 |
| 2:18 | < Jeremiah 31:15 |
| 3:3 | < Isaiah 40:3 |
| 4:4 | < Deuteronomy 8:3 |
| 4:6 | < Psalm 91:11-12 |
| 4:7 | < Deuteronomy 6:16 |
| 4:10 | < Deuteronomy 6:13 |
| 4:15-16 | < Isaiah 9:1-2 |
| 5:21 | < Exodus 20:13; Deuteronomy 5:17 |
| 5:27 | < Exodus 20:14; Deuteronomy 5:18 |
| 5:31 | < Deuteronomy 24:1 |
| 5:33 | < Leviticus 19:12; Numbers 30:2-3; Deuteronomy 23:21 |
| 5:38 | < Exodus 21:24; Leviticus 24:20; Deuteronomy 19:21 |
| 5:43 | < Leviticus 19:18 |
| 8:17 | < Isaiah 53:4 |
| 10:35-36 | < Micah 7:6 |
| 11:10 | < Exodus 23:20; Malachi 3:1 |
| 12:18-21 | < Isaiah 42:1-4 |
| 12:40 | < Jonah 1:17 |
| 13:14-15 | < Isaiah 6:9-10 |
| 13:35 | < Psalm 78:2 |
| 15:4 | < Exodus 20:12; Deuteronomy 5:16 |
| 15:4 | < Exodus 21:17 |
| 15:8-9 | < Isaiah 29:13 LXX |
| 18:16 | < Deuteronomy 19:15 |
| 19:4 | < Genesis 1:27; 5:2 |
| 19:5 | < Genesis 2:24 |
| 19:7 | < Deuteronomy 24:1 |
| 19:18-19 | < Exodus 20:12-16; Deuteronomy 5:16-20 |
| 21:5a | < Isaiah 62:11 |
| 21:5b | < Zechariah 9:9 |
| 21:9 | < Psalm 118:25-26 |

| | | |
|----------------|--|----|
| 21:13 | < Isaiah 56:7 | |
| 21:16 | < Psalm 8:2 LXX | |
| 21:42 | < Psalm 118:22-24 | |
| 22:24 | < Deuteronomy 25:5 | |
| 22:24 | < Genesis 38:8 | |
| 22:32 | < Exodus 3:6. 15. 16 | |
| 22:37 | < Deuteronomy 6:5 | |
| 22:39 | < Leviticus 19:18 | |
| 22:44 | < Psalm 110:1 | |
| 23:39 | < Psalm 118:26 | |
| 26:31 | < Zechariah 13:7 | |
| 26:64 | < Psalm 110:1; Daniel 9:13 | |
| 27:9-10 | < Jeremiah 32:6-9; Zechariah 11:12-13 | |
| 27:46 | < Psalm 22:1 | 48 |

quotations

| | | |
|------|-----------------|--|
| Mark | 1:2 | < Malachi 3:1 |
| | 1:3 | < Isaiah 40:3 |
| | 4:12 | < Isaiah 6:9-10 |
| | 6:6-7 | < Isaiah 29:13 LXX |
| | 6:10 | < Exodus 20:12; Deuteronomy 5:16 |
| | 6:10 | < Exodus 21:17 |
| | 10:6 | < Genesis 5:2 |
| | 10:7-8 | < Genesis 2:24 |
| | 10:19 | < Exodus 20:12-16; Deuteronomy 5:16-20; 24:14 |
| | 11:9 | < Psalm 118:25-26 |
| | 11:16 | < Isaiah 56:7 |
| | 12:10-11 | < Psalm 118:22-23 |
| | 12:19 | < Genesis 38:8; Deuteronomy 25:5 |
| | 12:26 | < Exodus 3:6, 15-16 |
| | 12:30 | < Deuteronomy 6:4-5 |
| | 12:31 | < Leviticus 19:18 |
| | 12:32 | < Deuteronomy 6:4 |
| | 12:32 | < Deuteronomy 4:35; Isaiah 45:21 |
| | 12:33 | < Leviticus 19:18 |
| | 12:36 | < Psalm 110:1 |
| | 13:26 | < Daniel 7:13-14 |
| | 14:27 | < Zechariah 13:7 |
| | 14:62 | < Psalm 110:1 |

| | | |
|----------------------|--|----|
| 15:34 | < Psalm 22:1 | 24 |
| quotations | | |
| Luke 2:23 | < Exodus 13:2 , 12, 15 | |
| 2:24 | < Leviticus 12:8 | |
| 3:4-6 | < Isaiah 40:3-5 | |
| 4:4 | < Deuteronomy 8:3 | |
| 4:8 | < Deuteronomy 6:13 | |
| 4:10 | < Psalm 91:11 | |
| 4:11 | < Psalm 91:12 | |
| 4:12 | < Deuteronomy 6:16 | |
| 4:18-19 | < Isaiah 61:1-2 ; 58:6 ; | |
| 7:27 | < Malachi 3:1 | |
| 8:10 | < Isaiah 6:9-10 | |
| 10:27 | < Deuteronomy 6:5 ; 10:12 ; Joshua 22:5 | |
| 10:27 | < Leviticus 19:18 | |
| 13:35 | < Psalm 118:26 | |
| 18:20 | < Exodus 20:12-16 ; Deuteronomy 5:16-20 | |
| 19:38 | < Psalm 118:26 | |
| 19:46 | < Isaiah 56:7 ; Jeremiah 7:11 | |
| 20:18 | < Psalm 118:22 | |
| 20:28 | < Deuteronomy 25:5 ; Genesis 38:8 | |
| 20:37 | < Exodus 3:6 , 15, 16 | |
| 20:42-43 | < Psalm 110:1 | |
| 21:27 | < Daniel 7:13 | |
| 22:37 | < Isaiah 53:12 | |
| 22:69 | < Psalm 110:1 | 24 |
| quotitions | | |
| John 1:23 | < Isaiah 40:3 | |
| 2:17 | < Psalm 69:9a | |
| 6:31 | < Psalm 78:24 ; 105:40 ; Exodus 16:15 ; Numbers 11:7-9 ; | |
| Nehemiah 9:15 | | |
| 10:34 | < Psalm 82:6 | |
| 12:13 | < Psalm 118:26 | |
| 12:15 | < Zechariah 9:9 | |
| 12:38 | < Isaiah 53:1 | |
| 12:40 | < Isaiah 6:10 | |
| 15:25 | < Psalm 35:19 ; 69:4 | |
| 19:24 | < Psalm 22:18 | |

| | | |
|--------------------|--|----|
| 19:36 | < Exodus 12:46 ; Numbers 9:12 ; Psalm 34:20 | |
| 19:37 | < Zechariah 12:10 | 12 |
| quotations | | |
| Acts 1:20 | < Psalm 69:25 | |
| 1:20 | < Psalm 109:8 | |
| 2:17-21 | < Joel 2:28-32 | |
| 2:30 | < Psalm 132:11 ; 2 Samuel 7:12-13 | |
| 2:31 | < Psalm 16:10 | |
| 2:34-35 | < Psalm 110:1 | |
| 3:13 | < Exodus 3:6, 15 | |
| 3:22-23 | < Deuteronomy 18:15-16 | |
| 3:25 | < Genesis 22:18; 26:4 | |
| 4:11 | < Psalm 118:22 | |
| 4:25-26 | < Psalm 2:1-2 | |
| 7:3 | < Genesis 12:1 | |
| 7:5 | < Genesis 12:7; 13:15; 15:2, 18; 17:8; 24:7; 48:4 | |
| 7:6-7 | < Genesis 15:13-14 | |
| 7:17 | < Exodus 1:7-8 | |
| 7:27-28 | < Exodus 2:13-14 | |
| 7:30 | < Exodus 3:1-3 | |
| 7:32 | < Exodus 3:6 | |
| 7:34-35 | < Exodus 3:6-10 | |
| 7:37 | < Deuteronomy 18:15 | |
| 7:40 | < Exodus 32:1, 23 | |
| 7:42-43 | < Amos 5:25-27 | |
| 7:49-50 | < Isaiah 66:1-2 | |
| 8:32-33 | < Isaiah 53:7-8 | |
| 13:22 | < Psalm 89:20 | |
| 13:33 | < Psalm 2:7 | |
| 13:34 | < Isaiah 55:3 LXX | |
| 13:35 | < Psalm 16:10 LXX | |
| 13:41 | < Habakkuk 1:5 LXX | |
| 13:47 | < Isaiah 42:6; 49:6 | |
| 15:16-17 | < Amos 9:11-12 | |
| 23:5 | < Exodus 22:28 | |
| 28:26-27 | < Isaiah 6:9-10 | 33 |
| quotations | | |
| Romans 1:17 | < Habakkuk 2:4 | |

- 2:24 < Isaiah **52:5**; Ezekiel **36:20**
3:4 < Psalm **51:4**
3:10-12 < Psalm **14:1-3**; Isaiah **53:1-4**; Ecclesiastes **7:20**
3:13 < Psalm **5:9**; **140:3**
3:14 < Psalm **10:7**
3:15-17 < Isaiah **59:7-8**
3:18 < Psalm **36:1**
4:3 < Genesis **15:6**
4:7-8 < Psalm **32:1-2**
4:22 < Genesis **15:6**
7:7 < Exodus **20:17**; Deuteronomy **5:21**
8:36 < Psalm **44:22**
9:7 < Genesis **21:12**
9:9 < Genesis **18:10, 14**
9:12 < Genesis **25:23**
9:13 < Malachi **1:2-3**
9:15 < Exodus **33:19**
9:17 < Exodus **9:16**
9:25 < Hosea **2:23**
9:26 < Hosea **1:10**
9:27 < Isaiah **10:22-23**
9:29 < Isaiah **1:9**
9:33 < Isaiah **28:16**
10:5 < Leviticus **18:5**
10:6-8 < Deuteronomy **9:4**; **30:12-14**
10:10-11 < Isaiah **28:16**
10:13 < Joel **2:32**
10:15 < Isaiah **52:7**
10:16 < Isaiah **53:1**
10:18 < Psalm **19:4**
10:19 < Deuteronomy **32:21**
10:20 < Isaiah **65:1**
10:21 < Isaiah **65:2 LXX**
11:3 < 1 Kings **19:10**
11:4 < 1 Kings **19:18**
11:8 < Deuteronomy **29:4**; Isaiah **29:10**
11:9-10 < Psalm **69:22-23**
11:26-27 < Isaiah **59:20-21**
11:34-35 < Isaiah **40:13 LXX**; Job **15:8**; Jeremiah **23:18**
12:19 < Leviticus **19:18**

| | | |
|---------------------------|---|----|
| 12:20 | < Proverbs 25:21-22 | |
| 13:9a | < Exodus 20:13-15 ; Deuteronomy 5:17-19, 21 | |
| 13:9b | < Leviticus 19:18 ; Proverbs 2:22 ; 24:29 ; Deuteronomy 32:35 | |
| 14:11 | < Isaiah 49:18 ; 45:23 | |
| 15:3 | < Psalm 69:9 | |
| 15:9 | < Psalm 18:49 | |
| 15:10 | < Deuteronomy 32:43 | |
| 15:11 | < Psalm 117:1 | |
| 15:12 | < Isaiah 11:10 | |
| 15:21 | < Isaiah 52:15 | 51 |
| quotations | | |
| 1 Corinthians 1:19 | < Isaiah 29:14 | |
| 1:31 | < Jeremiah 9:23-24 | |
| 2:9 | < Isaiah 64:4 ; 52:15 (Ser. 1:10) | |
| 2:16 | < Isaiah 40:13 | |
| 3:20 | < Psalm 94:11 | |
| 5:13 | < Deuteronomy 13:5 ; 17:7 ; 19:19 ; 21:21, 24 ; 24:7 | |
| 10:7 | < Exodus 32:6 | |
| 10:26 | < Psalm 24:1 ; 50:12 ; 89:11 | |
| 14:21 | < Isaiah 28:11-12 ; Deuteronomy 28:49 | |
| 15:32 | < Isaiah 22:13 ; Isaiah 56:12 | |
| 15:45 | < Genesis 2:7 | |
| 15:54-55 | < Hosea 13:14 | 12 |
| quotations | | |
| 2 Corinthians 4:6 | < Genesis 1:3 ; Isaiah 9:2 | |
| 4:13 | < Psalm 116:10 | |
| 6:2 | < Isaiah 49:8 | |
| 6:16-18 | < Leviticus 26:12 ; 2 Samuel 7:8, 14 ; Isaiah 43:6 ; 52:11 ; | |
| Jeremiah 31:1, 9; | 32:28 ; Ezekiel 37:27 ; 20:34, 41 ; 25:8 ; 37:27 ; Hosea 1:10 | |
| 8:15 | < Exodus 16:18 | |
| 9:9 | < Psalm 112:9 | |
| 10:17 | < Jeremiah 9:24 | |
| 13:1 | < Deuteronomy 17:6 ; 19:15 | 8 |
| quotations | | |
| Galatians 3:8 | < Genesis 12:3 ; 18:18 | |
| 3:10 | < Deuteronomy 27:26 | |

| | | |
|-----------------------|---|----------|
| 3:11 | < Habakkuk 2:4 | |
| 3:12 | < Leviticus 18:5 | |
| 3:13 | < Deuteronomy 21:23 | |
| 3:16 | < Genesis 12:7; 13:15; 17:7; 24:7 | |
| 4:27 | < Isaiah 54:1 | |
| 4:30 | < Genesis 21:10 | 8 |
| quotations | | |
| Ephesians 4:8 | < Psalm 68:18 | |
| 4:25 | < Zechariah 8:16 | |
| 4:26 | < Psalm 4:4 | |
| 5:31 | < Genesis 2:24 | |
| 6:2-3 | < Exodus 20:12 ; Deuteronomy 5:16 | 5 |
| quotations | | |
| 2 Timothy 2:19 | < Numbers 16:5 | 1 |
| quotation | | |
| Hebrews 1:5a | < Psalm 2:7 | |
| 1:5b | < 2 Samuel 7:14 ; 1 Chronicles 17:13 | |
| 1:6 | < Deuteronomy 32:43 LXX | |
| 1:7 | < Psalm 104:4 | |
| 1:8 | < Psalm 45:6-7 | |
| 1:10-12 | < Psalm 102:25-27 | |
| 1:13 | < Psalm 110:1 | |
| 2:6-8 | < Psalm 8:5-7 LXX | |
| 2:12 | < Psalm 22:22 | |
| 2:13a | < Psalm 8:17 LXX | |
| 2:13b | < Isaiah 8:18 | |
| 3:7-11 | < Psalm 95:7-11 | |
| 3:15 | < Psalm 95:7-8 | |
| 4:3 | < Psalm 95:11 | |
| 4:4 | < Genesis 2:2 ; Exodus 20:11 ; 31:17 | |
| 4:5 | < Psalm 95:11 | |
| 4:7 | < Psalm 95:7-8 | |
| 5:5 | < Psalm 2:7 | |
| 5:6 | < Psalm 110:4 | |
| 6:13-14 | < Genesis 22:16-17 | |
| 7:1-2 | < Genesis 14:17-20 | |
| 7:17 | < Psalm 110:4 | |

| | | |
|-----------------|--|----|
| 7:20-21 | < Psalm 110:4 | |
| 8:5 | < Exodus 25:40 | |
| 8:8-12 | < Jeremiah 31:31-34 | |
| 9:20 | < Exodus 24:8 | |
| 10:5-7 | < Psalm 40:6-8 | |
| 10:16 | < Jeremiah 31:33 | |
| 10:17 | < Jeremiah 31:34 | |
| 10:30a | < Deuteronomy 32:35 | |
| 10:30b | < Deuteronomy 32:36 ; Psalm 135:14 | |
| 10:37-38 | < Habakkuk 2:3-4 | |
| 11:5 | < Genesis 5:24 | |
| 11:18 | < Genesis 21:12 | |
| 11:21 | < Genesis 48:1, 5, 15-16; 47:31 LXX | |
| 12:5-6 | < Proverbs 3:11-12 | |
| 12:20 | < Exodus 19:12-13 | |
| 12:25 | < Haggai 2:6 | |
| 13:5 | < Deuteronomy 31:6 ; Joshua 1:5 | |
| 13:6 | < Psalm 118:6 | 40 |

quotations

| | | | |
|-------|--------------|---|---|
| James | 2:8 | < Leviticus 19:18 | |
| | 2:11a | < Exodus 20:14 ; Deuteronomy 5:18 | |
| | 2:11b | < Exodus 20:13 ; Deuteronomy 5:17 | |
| | 4:6 | < Proverbs 3:34 LXX | 4 |

quotations

| | | | |
|---------|----------------|--|----|
| 1 Peter | 1:16 | < Leviticus 11:44-45; 19:2; 20:7 | |
| | 1:24-25 | < Isaiah 40:6-8 | |
| | 2:6 | < Isaiah 28:16 | |
| | 2:7 | < Psalm 118:22 | |
| | 2:8 | < Isaiah 8:14 | |
| | 2:9a | < Isaiah 43:20 | |
| | 2:9b | < Exodus 19:6 ; Isaiah 61:6 | |
| | 2:9c | < Exodus 19:6 | |
| | 2:9d | < Isaiah 43:21 ; Exodus 19:5 | |
| | 2:22 | < Isaiah 53:9 | |
| | 3:10-12 | < Psalm 34:12-16 | |
| | 4:18 | < Proverbs 11:31 LXX | |
| | 5:5 | < Proverbs 3:34 | 13 |

quotations

2 Peter 2:22 < Proverbs 26:11
quotation

1

quotations

284

OLD TESTAMENT QUOTATIONS IN THE NEW TESTAMENT

Virgil Warren, PhD

Genesis 1:3 < 2 Corinthians 4:6

“Light will shine out of darkness” [Gen 1:3; Is. 9:2],

Genesis 1:27 < Matthew 19:4

‘made them male and female?’ [Gen 1:27; 5:2]

Genesis 2:2 < Hebrews 4:4

“On the seventh day God rested from his work” [Gen 2:2];

Genesis 2:7 < 1 Corinthians 15:45

“The first man Adam became a living soul” [Gen 2:7].

Genesis 2:24 < Matthew 19:5

‘a man is to leave father and mother, and be joined to his wife, and the two will become a physical unit’ [Gen 2:24].

Genesis 2:24 < Mk 10:7-8

‘he made them male and female [Gen 5:2]. ⁷So a man is to leave his father and mother and be joined to his wife, ⁸and the two will become a physical unit’ [Gen 2:24];

Genesis 2:24 < Ephesians 5:31

³¹“For this reason a man is to leave his father and mother and unite with his wife, and the two are to be a physical unit” [Gen 2:24].

Genesis 2:24 < 1 Corinthians 6:16

“The two will become one physical unit” [Gen 2:24].

Genesis 5:2 < Matthew 19:4

‘made them male and female?’ [Gen 1:27; 5:2]

Genesis 5:2 < Mark 10:6

‘he made them male and female [Gen 5:2]. ⁷So a man is to leave his father and mother and be joined to his wife, ⁸and the two will become a physical unit’ [Gen 2:24].

Genesis 5:24 < Hebrews 11:5

“God took him up, and he simply wasn’t there” [Gen 5:24]. Before God took him up, the ancient writings say “he pleased God” Sir 44:16; Enoch 70:1-4; 4:10).

Genesis 12:1 < Acts 7:3

. He said, ‘Leave your land and relatives, and go to the land I’ll show you’ [Gen 12:1].

Genesis 12:2-3 < Galatians 3:8

“You’ll bless all the nations” [Gen 12:2-3; 18:18].

Genesis 12:7 < Galatians 3:16

“to your seed” [Gen 12:7; 13:15; 17:7; 24:7]

Genesis 13:35 < Galatians 3:16

“to your seed” [Gen 12:7; 13:15; 17:7; 24:7]

Genesis 14:17-20 < Hebrews 7:1-2

¹This *Melchizedek—king of Salem, priest of God Most High—met Abraham when he came back from killing the kings, and blessed him.* ²*Abraham separated off to him a tenth of everything* [Gen 14:17-20].

Genesis 15:6 < Romans 4:3

“Abraham trusted God, and God considered him righteous” [Gen 15:6].

Genesis 15:6 < Romans 4:22

“God considered him righteous” [Gen 15:6].

Genesis 15:6 < Galatians 3:6

Abraham “trusted God, and God considered him good” [Gen 15:6].

Genesis 15:13-14 < Acts 7:6-7

his descendants would live in a foreign land that would enslave them and abuse them for four hundred years. ⁷*‘I’ll judge that nation, and afterwards I’ll bring them out, and they’ll serve me here’* [Gen 15:13-14].

Genesis 17:7 < Galatians 3:16

“to your seed” [Gen 12:7; 13:15; 17:7; 24:7]

Genesis 18:10 < Romans 9:9

“At this time I’ll come, and Sarah will have a son” [Gen 18:10, 14].

Genesis 18:14 < Romans 9:9

“At this time I’ll come, and Sarah will have a son” [Gen 18:10, 14].

Genesis 18:18 < Galatians 3:8

“You’ll bless all the nations” [Gen 12:2-3; 18:18].

Genesis 21:10 < Galatians 4:30

“Dismiss the slave girl and her son; her son will not inherit with the son” [Gen 21:10], of the free woman.

Genesis 21:12 < Romans 9:7

“Your lineage will be counted through Isaac” [Gen 21:12].

Genesis 21:12 < Hebrews 11:18

“Your lineage will descend through Isaac” [Gen 21:12].

Genesis 22:16-17 < Hebrews 6:13-14

“he swore by himself [Gen 22:16],

¹⁴I will certainly bless you and multiply” [Gen 22:17]

Genesis 22:18 < Acts 3:25

‘Your seed will bless all nations’ [Gen 22:18; 26:4].

Genesis 24:7 < Galatians 3:16

“to your seed” [Gen 12:7; 13:15; 17:7; 24:7]

Genesis 25:23 < Romans 9:12

“The older will serve the younger” [Gen 25:23].

Genesis 26:4 < Acts 3:25

‘Your seed will bless all nations’ [Gen 22:18; 26:4].

Genesis 38:8 < Matthew 22:24

and raise up descendants for his brother’ [Gen 38:8].

Genesis 38:8 < Mark 12:19

if someone’s brother dies and leaves a wife and no child, his brother is to take the wife and raise up heirs for his brother [Gen 38:8; Deut.25:5].

Genesis 38:8 < Luke 20:28

‘If a brother dies and has a wife but no children, his brother is to marry his wife and raise up offspring to his brother’ [Deut 25:5; Gen 38:8].

Genesis 47:31 < Hebrews 11:21

²¹By faith Jacob, worshiped, leaning on his staff [Gen 48:15-16; 47:31 LXX].

Genesis 48:15-16 <Hebrews 11:21

²¹By faith Jacob, as he was dying, blessed each of Joseph's sons and **worshiped, leaning on his staff** [Gen 48:15-16; 47:31 LXX].

Exodus 1:7-8 < Acts 7:17

'another king arose that didn't know Joseph' [Ex 1:7-8].

Exodus 2:4 < Acts 7:35

'Who made you a ruler and judge' [Ex 2:14]

Exodus 2:13-14 < Acts 7:27-28

'Who made you a ruler and judge over us? ²⁸You don't intend to kill me, do you, the way you killed the Egyptian yesterday?' [Ex 2:13-14]

Exodus 3:2-3 < Acts 7:30

"After forty years, 'an angel appeared to him in the flame of a burning bush in the desert' [Ex 3:2-3] around Mt. Sinai.

Exodus 3:4-10 < Acts 7:33-34

³³**The LORD said, 'Take your sandals off; you're standing on holy ground.'**

³⁴**I've certainly seen the mistreatment of my people in Egypt, and have come down to deliver them. Go now; I'm sending you to Egypt"** [Ex 3:4-10].

Exodus 3:6, 15-16 < Matthew 22:32

'I'm Abraham, Isaac, and Jacob's God'? [Ex 3:6, 15, 16]

Abraham, Isaac, and Jacob's God—our ancestors' God [Ex 3:6, 15]

Exodus 3:6, 15-16 < Mark 12:26

'I'm Abraham, Isaac, and Jacob's God'? [Ex 3:6, 15-16]

Exodus 3:6 < Luke 20:37

"the LORD, Abraham, Isaac, and Jacob's God" [Ex 3:6, 15, 16].

Exodus 3:6 < Acts 3:13

Abraham, Isaac, and Jacob's God—our ancestors' God [Ex 3:6, 15]

Exodus 3:6 < Acts 7:32

³²**'I'm your ancestors' God, the God of Abraham, Isaac, and Jacob.'**

Exodus 9:16 < Romans 9:127

"I raised you up specifically to show my power in connection with you and to make myself known in the whole world" [Ex 9:16].

Exodus 12:46 < John 19:36

"Don't break any of its bones" [Ex 12:46; Num 9:12; (Ps 34:20)].

Exodus 13:2 < Luke 2:23

“Set aside to the LORD every male firstborn” [Ex 13:2, 12, 15].

Exodus 16:18 < 2 Corinthians 8:15

**“The one that gathered a lot didn’t have too much;
the one that gathered a little had enough”** [Ex 16:18].

Exodus 19:6 < 1 Peter 2:9

a royal priesthood, a holy nation [Ex 19:6]

Exodus 19:12-13 < Hebrews 12:20

“If even an animal touches the mountain, stone it” [Ex 19:12-13].

Exodus 20:12-16 < Matthew 19:18-19

**“Do not murder, commit adultery, steal, or lie; ¹⁹honor father and mother,
Love your neighbor as yourself”** [Ex 20:12-16; Deut 5:16-20].

Exodus 20:12-16 < Mark 10 :19

**‘do not murder, commit adultery, steal, lie, or swindle; respect your
father and mother’”** [Ex 20:12-16; Deut 5:16-20; Deut 24:14].

Exodus 20:12 < Luke 18:20

²⁰You know the commandments: ‘**do not commit adultery, murder, steal, or lie** [Ex 20:13-16];
honor your father and mother’” [Ex 20:12]

Exodus 20:12 < Matthew 15:4

‘Honor your father and mother’ [Ex 20:12; Deut 5:16],

Exodus 20:12 < Mark 6:10

‘Honor your father and your mother’ [Ex 20:12; Deut 5:16]. ’

Exodus 20:12 < Ephesians 6:2-3

²⁻³**“Honor your father and mother so you’ll live long and well”** [Ex 20:12; Deut. 5:16]

Exodus 20:13-16 < Luke 18:20

²⁰You know the commandments: ‘**do not commit adultery, murder, steal, or lie**
[Ex 20:13-16]; **honor your father and mother’”** [Ex 20:12]

Exodus 20:13-15 < Romans 13:9

“Do not commit adultery, murder, steal, covet” [Ex 20:13-15, 17; Deut 5:17-19, 21]

Exodus 20:13 < Matthew 5:21

‘Do not commit murder’ [Ex 20:13; Deut 5:17]

Exodus 20:13 < James 11:2

“Do not commit murder” [Ex 20:13; Deut 5:17].

Exodus 20:14 < Matthew 5:27

‘Do not commit adultery’ [Ex 20:14; Deut 5:18].

Exodus 20 :14 < James 20:14

“Do not commit adultery” [Ex 20:14; Deut 5:18],

Exodus 20:17 < Romans 7:7

“Do not covet” [Ex 20:17; Deut 5:21].

Exodus 20:34 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**

**¹⁷So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**

**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**

**¹⁸I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says”** [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2Sam 7:8, 14; Is 43:6; 52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Exodus 20:41 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**

**¹⁷So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**

**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**

**¹⁸I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says”** [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6; 52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Exodus 21:17 < Matthew 15:4

‘Put to death whoever cusses at his father or mother’ [Ex 21:17].

Exodus 21:17 < Mark 6:10

‘Put to death whoever cusses at his father or mother’ [Ex 21:17].

Exodus 21:24 < Matthew 5:38

‘An eye for an eye’ and ‘a tooth for a tooth’ [Ex 21:24; Lev 24:20; Deut 19:21].

Exodus 22:28 < Acts 25:5

‘Don’t say evil things about a ruler of your people’” [Ex 22:28].

Exodus 23:20 < Matthew 11:10

**‘I’ll send my messenger in front of you
to prepare your road ahead of you’ [Ex 23:20; Mal 3:1].**

Exodus 23:20 < Mark 1:2

**“I’ll send my messenger ahead of you
to prepare your way [Ex 23:20; Mal 3:1],
³one shouting in the desert,
‘Get the road ready for the LORD.
Make it straight’” [Is 40:3].**

Exodus 24:8 < Hebrews 8:20

“This is the blood of the covenant that God commanded you” [Ex. 24:8].

Exodus 25:8 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**
**¹⁷So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**
**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**
**¹⁸I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].**

Exodus 25:40 < Hebrews 8:5

“Be sure you make everything like the design I showed you on the mountain” [Ex 25:40].

Exodus 29:45 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**
**¹⁷So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**
**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**
¹⁸I’ll be your Father,

*and you'll be my sons and daughters,'
the LORD Almighty says" [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

Exodus 32:1 < Acts 7:40

*'Make us gods to go ahead of us. We don't know what's become of this Moses
who brought us out of Egypt' [Ex 32:1, 23].*

Exodus 32:6 < 1 Corinthians 10:7

"The people sat down to eat and got up to dance" [Ex 32:6].

Exodus 32:12 < Acts 7:40

*'Make us gods to go ahead of us. We don't know what's become of this Moses
who brought us out of Egypt' [Ex 32:1, 23].*

Leviticus 11:44 < 1 Peter 1:16

"Be holy because I'm holy" [Lev 11:44-45; 19:2; 20:7].

Leviticus 12:8 < Luke 2:24

"a pair of turtledoves or two young pigeons" [Lev 12:8]

Leviticus 18:5 < Galatians 3:12

"The one that does them is the one that has life by them" [Lev 18:5].

Leviticus 19:2 < 1 Peter 1:16

"Be holy because I'm holy" [Lev 11:44-45; 19:2; 20:7].

Leviticus 19:12 < Matthew 5:33

*'Don't^{sg} swear falsely'; but, 'perform^{sg} your^{sg} oaths to the LORD' [Lev 19:12; Num
30:3; Deut 23:21].*

Leviticus 19:18 < Matthew 5:43

'Love your^{sg} neighbor' [Lev 19:18],

Leviticus 19:18 < Matthew 22:39

'Love your neighbor as yourself' [Lev 19:18].

Leviticus 19:18 < Mark 12:31

"Love your neighbor as yourself" [Lev 19:18].

Leviticus 19:18 < Mark 12:33

loving your neighbor as yourself [Lev 19:18]

Leviticus 19:18 < Luke 10:27

"love your neighbor as yourself" [Lev 19:18].

Leviticus 19:18 < Romans 12:19

**“Revenge belongs to me;
I’ll take care of it,’ the Lord says”** [Lev 19:18].

Leviticus 19:18 < Romans 13:9

“Love your neighbor as yourself” [Lev 19:18].

Leviticus 19:18 < James 2:8

“Love your neighbor as yourself” [Lev 19:18].

Leviticus 20:7 < 1 Peter 12:16

“Be holy because I’m holy” [Lev 11:44-45; 19:2; 20:7].

Leviticus 24:20 < Matthew 5:38

‘An eye for an eye’ and ‘a tooth for a tooth’ [Ex 21:24; Lev 24:20; Deut 19:21].

Leviticus 26:12 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**

**¹⁷So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**

**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**

**¹⁸I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says”** [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6; 52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Numbers 9:12 < John 19:36

“Don’t break any of its bones” [Ex 12:46; Num 9:12; (Ps 34:20)].

Number 16:5 < 2 Timothy 2:19

“The LORD knows who belong to him” [Num 16:5];

Numbers 30:3 < Matthew 5:33

‘Do not^{sg} swear falsely’; but, ‘perform^{sg} your^{sg} oaths to the LORD’ [Lev 19:12; Num 30:3; Deut 23:21].

Deuteronomy 2:5 < Acts 7:5

‘to give it to him and his descendants’ [Deut 2:5]

Deuteronomy 4:35 < Mark 12:32

there's no other God besides him [Deut 4:35; Is 45:21].

Deuteronomy 5:16-20 < Matthew 19:18-19

"Do not murder, commit adultery, steal, or lie;¹⁹ honor father and mother,"
'Love your neighbor as yourself" [Ex 20:12-16; Deut 5:16-20].

Deuteronomy 5:16-20 < Mark 10:19

'do not murder, commit adultery, steal, lie, or swindle; respect your father and mother'" [Ex 20:12-16; Deut 5:16-20; Deut 24:14].

Deuteronomy 5:16 < Matthew 15:4

'Honor your father and mother' [Ex 20:12; Deut 5:16],

Deuteronomy 5:16 < Mark 6:10

'Honor your father and your mother' [Ex 20:12; Deut 5:16].

Deuteronomy 5:16 < Ephesians 6:2-3

2-3 "Honor your father and mother so you'll live long and well" [Ex 20:12; Deut. 5:16]

Deuteronomy 5:17 < Matthew 5:21

'Do not commit murder' [Ex 20:13; Deut 5:17]

Deuteronomy 5:17 < James 2:11

"Do not commit murder" [Ex 20:13; Deut 5:17].

Deuteronomy 5:17-19, 21 < Romans 13:9

"Do not commit adultery, murder, steal, covet" [Ex 20:13-15, 17; Deut 5:17-19, 21]

Deuteronomy 5:18 < Matthew 5:27

'Do not commit adultery' [Ex 20:14; Deut 5:18].

Deuteronomy 5:18 < James 2:11

"Do not commit adultery" [Ex 20:14; Deut 5:18],

Deuteronomy 5:21 < Romans 7:7

"Do not covet" [Ex 20:17; Deut 5:21].

Deuteronomy 6:4-5 < Mark 12:30

'Listen, Israel, the LORD your God is LORD alone.³⁰ Love the LORD your God with all your heart, all your soul, all your mind, all your strength' [Deut 6:4-5].

Deuteronomy 6:4 < Mark 12:32

he is the only one [Deut 6:4];

Deuteronomy 6:5 < Matthew 22:37

"Love the LORD your God with all your heart, soul, and mind" [Deut 6:5].

Deuteronomy 6:5 < Mark 12:33

³³Loving him with all your heart, mind [Deut 6:5; Josh 22:5],

Deuteronomy 6:5 < Luke 10:27

"Love the LORD your God with all your heart, soul, strength [Deut 6:5; 10:12; Josh 22:5],

Deuteronomy 6:13 < Matthew 4:10

*‘Worship the LORD your God,
and only serve him’” [Deut 6:13].*

Deuteronomy 6:13 < Luke 4:8

*‘Worship the LORD your God,
and only serve him’” [Deut 6:13].*

Deuteronomy 6:16 < Matthew 4:7

‘Don’t test the LORD your God’” [Deut 6:16].

Deuteronomy 6:16 < Luke 4:12

‘Don’t test the LORD your God’” [Deut 6:16].

Deuteronomy 8:3 < Matthew 4:4; Luke 4:4: “People aren’t to live just by food,

(change NT to food alone) but by everything God says.”

*“People are not to live just by food,
but by everything God says” [Deut 8:3].*

Deuteronomy 8:3 < Luke 4:4

‘People are not to live by food alone’” [Deut 8:3].

Deuteronomy 9:4 < Romans 10:6-8

“The one that does them is the one that will have life by them” [Lev 18:5]. “But righteousness from trust says, “Don’t say in your heart, ‘Who’ll go up into heaven? (that is, to bring Christ down); ” or, ‘Who’ll go down into the grave?’ (that is, to raise Christ up from the dead).” But what does it say?

*“The message is near you—
in your mouth
and in your heart” [Deut 9:4].*

Deuteronomy 10:12 < Luke 10:27

“Love the LORD your God with all your heart, soul, strength [Deut 6:5; 10:12; Josh 22:5],

Deuteronomy 17:7 < 1 Corinthians 5:13

“Remove the sinful man from you” [Deut 17:7; 19:19; 22:21, 24; 24:7].

Deuteronomy 18:15-16 < Acts 3:22

*‘From among you the LORD your God will raise up a prophet for you like me.
Listen to everything he tells you. ²³Every person that doesn’t will perish from
among the people’ [Deut 18:15-16].*

Deuteronomy 18:15 < Acts 7:37

'From among your brothers God will raise up for you a prophet like me'
[Deut.18:15].

Deuteronomy 19:15 < Matthew 18:16

'two or three witnesses will confirm every matter' [Deut 19:15].

Deuteronomy 19:15 < 2 Corinthians 13:1

"Establish everything by two or three witnesses" [Deut 19:15].

Deuteronomy 19:19 < 1 Corinthian 5:13

"Remove the sinful man from you" [Deut 17:7; 19:19; 22:21, 24; 24:7].

Deuteronomy 19:21 < Matthew 5:38

'An eye for an eye' and 'a tooth for a tooth' [Ex 21:24; Lev 24:20; Deut 19:21].

Deuteronomy 21:23 < Galatians 3:13

"Everybody's under a curse that hangs on a tree" [Deut 21:23].

Deuteronomy 22:21 < 1 Corinthians 5:13

"Remove the sinful man from you" [Deut 17:7; 19:19; 22:21, 24; 24:7].

Deuteronomy 22:24 < 1 Corinthians 5:13

"Remove the sinful man from you" [Deut 17:7; 19:19; 22:21, 24; 24:7].

Deuteronomy 23:21 < Matthew 5:33

'Don't^{sg} swear falsely'; but, 'perform^{sg} your^{sg} oaths to the LORD' [Lev 19:12; Num 30:3; Deut 23:21].

Deuteronomy 24:1 < Matthew 5:31

'Whoever divorces his wife has to give her a certificate of divorce' [Deut 24:1].

Deuteronomy 24:1 < Matthew 19:7

'to give a certificate of divorce and divorce her'?" [Deut 24:1]

Deuteronomy 24:1 < Matthew 19:7

'a man is to leave father and mother, and be joined to his wife, and the two will become a physical unit' [Gen 2:24].

Deuteronomy 24:14 < Mark 10:19

'do not murder, commit adultery, steal, lie, or swindle; respect your father and mother'" [Ex 20:12-16; Deut 5:16-20; 24:14].

Deuteronomy 25:4 < 1 Corinthians 9:9

"Don't put a muzzle on an ox while it's threshing" [Deut 25:4].

Deuteronomy 25:5 < Matthew 22:24

'If a man dies without any children, his brother is to marry his wife [Deut 25:5]

Deuteronomy 25:5 < Mark 12:19

if someone's brother dies and leaves a wife and no child, his brother is to take the wife and raise up heirs for his brother [Gen 38:8; Deut.25:5].

Deuteronomy 25:5 < Luke 20:28

'If a brother dies and has a wife but no children, his brother is to marry his wife and raise up offspring to his brother' [Deut 25:5; Gen 38:8].

Deuteronomy 27:26 < Galatians 3:10

"Everybody's under a curse that doesn't do everything all the time that the Law requires" [Deut 27:26].

Deuteronomy 28:49 < 1 Corinthians 14:21

***"I'll speak to this people
in foreigner languages
with the lips of foreigners;
they won't even listen to me that way, 'the LORD sys'"*** [Is 28:11; Deut 28:49].

Deuteronomy 29:4 < Romans 11:8

***"To this day, God has given them a stupor,
eyes that can't see,
and ears that can't hear"*** [Deut 29:4; Is. 29:10].

Deuteronomy 30:12-14 < Romans 10:6-8

"The one that does them is the one that will have life by them" [Lev 18:5].⁶ But righteousness from trust says, ***"Don't say in your heart, 'Who'll go up into heaven?*** (that is, to bring Christ down);⁷ or, ***'Who'll go down into the grave?'*** (that is, to raise Christ up from the dead)."⁸ But what does it say?

***"The message is near you—
in your mouth
and in your heart"*** [Deut 9:4].

Deuteronomy 31:6 < Hebrews 13:5

***"One more time I'll shake,
not just the earth, but the sky too"*** [Hag 2:6].

Deuteronomy 32:4 < Romans 9:15

"I'll have mercy on whoever I want to,

and I'll have compassion on whoever I want to” [Deut 32:4].

Deuteronomy 32:21 < Romans 10:19

*“I'll make you jealous by what isn't a nation;
I'll anger you by a nation that doesn't understand” [Deut 32:21].*

Deuteronomy 32:35 < Hebrews 10:30a

*“Revenge belongs to me;
I'll repay it” [Deut. 32:35].*

Deuteronomy 32:36 < Hebrews 10:30b

“The LORD will judge his people” [Deut 32:36; Ps 135:14].

Deuteronomy 32:43 < Romans 15:10

“Gentiles, rejoice with his people” [Deut 32:43].

Deuteronomy 32:45 < Romans 12:19

“All God's angels are to worship him” [Deut 32:43].

Joshua 22:5 < Mark 12:33

³³*Loving him with all your heart, mind [Deut 6:5; Josh 22:5],*

Joshua 22:5 < Luke 10:27

“Love the LORD your God with all your heart, soul, strength [Deut 6:5; 10:12; Josh 22:5],

2 Samuel 7:8 < 2 Corinthians 6:16-18

*“I'll live and walk among them;
I'll be their God,
and they'll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.*

*‘Don't touch anything unclean,
and I'll welcome you in.*

¹⁸*I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

2 Samuel 7:14 < 2 Corinthians 6:16-18

“I'll live and walk among them;

*I'll be their God,
and they'll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,' the LORD says.*

*'Don't touch anything unclean,
and I'll welcome you in.*

¹⁸*I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,'
the LORD Almighty says" [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

2 Samuel 7:14 < Hebrews 1:5b

"I'll be his Father; he'll be my son" [2 Sam 7:14; 1 Ch 17:13]?

1 Kings 19:10 < Romans 11:3

³*"Lord, they've killed your prophets;
they've torn down your altars.
I'm the only one left,
and they're trying to kill me" [1 Kg 19:10].*

1 Kings 19:18 < Romans 11:4

*"I've reserved for myself seven thousand men
who haven't bent a knee to Baal" [1 Kg 19:18].*

1 Chronicles 17:13 < Hebrews 1:5b

"I'll be his Father; he'll be my Son" [2 Sam 7:14; 1 Ch 17:13]?

Job 5:13 < 1 Corinthians 3:19

"He traps the wise in their craftiness" [Job 5:13]

Job 41:3 < Romans 11:34-35

³⁴*"Who has known the mind of the LORD?
Who was his counselor? [Is 40:13]*

³⁵*Who gave to him first,
and will have it paid back to him?" [Job 41:3]*

Psalm 2:1-2 < Acts 4:25-26

*'Why did the Gentiles rage,
and the peoples plot pointless threats?
²⁶The kings of the earth stood together, and
the rulers assembled as one*

against the Lord and his Messiah' [Ps 2:1-2].

Psalm 2:7 < Acts 13:33

**'You're my Son;
today I've begotten you'** [Ps 2:7].

Psalm 2:7 < Hebrews 1:5a

"You're my Son; I've begotten you today" [Ps 2:7]?

Psalm 2:7 < Hebrews 5:5

**"You're my Son;
I've begotten you today"** [Ps 2:7],

Psalm 4:4 < Ephesians 4:26

²⁶"If you get angry, don't sin" [Ps 4:4].

Psalm 5: 9 < Romans 3:13a

**"Not one person is righteous,
not a one.**

**¹¹Nobody understands;
nobody seeks God.**

**¹²They've all turned away;
as a group they're depraved.**

***None of them are kind, not a one* [Ps 14:1-3; 53:1-3].**

**¹³Their throat's an open grave;
they deceive with their tongues** [Ps 5:9];
there's snake poison behind their lips [Ps 140:3];
¹⁴their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];
¹⁵their feet run to shed blood;
¹⁶ruin and misery lie in their path;
¹⁷they don't know the path to peace [Is 59:7-8].

¹⁸There's no respect for God in them [Ps 36:1].

Psalm 8:3 < Matthew 21:16

**'Out of the mouth of infants and nursing babies you've prepared yourself
perfect praise'?"** [Ps 8:3 LXX]

Psalm 8:5-7 < Hebrews 2:6-8

"What's man that you remember him or visit him?

⁷You made him lower than angels for a little while.

You crowned him with glory and honor, and

⁸put everything under his authority" [Ps 8:5-7 LXX].

Psalm 8:17 LXX < Hebrews 2:13a

“I’ll trust him” [Is 8:17 LXX];

Psalm 8:18 < Hebrews 2:13b

“... I and the children God gave me” [Is 8:18].

Psalm 10:7 < Romans 3:14

**“Not one person is righteous,
not a one.**

**¹¹Nobody understands;
nobody seeks God.**

**¹²They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.**

None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].

**¹³Their throat’s an open grave;
they deceive with their tongues [Ps 5:9];
there’s snake poison behind their lips [Ps 140:3];**

¹⁴their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];

¹⁵their feet run to shed blood;

¹⁶ruin and misery lie in their path;

¹⁷they don’t know the path to peace [Is 59:7-8].

¹⁸There’s no respect for God in them [Ps 36:1].

Psalm 14:1 < Romans 3:10-12

**“Not one person is righteous,
not a one.**

**¹¹Nobody understands;
nobody seeks God.**

**¹²They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.**

None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].

**¹³Their throat’s an open grave;
they deceive with their tongues [Ps 5:9];
there’s snake poison behind their lips [Ps 140:3];**

¹⁴their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];

¹⁵their feet run to shed blood;

¹⁶ruin and misery lie in their path;

¹⁷they don’t know the path to peace [Is 59:7-8].

¹⁸There’s no respect for God in them [Ps 36:1].

Psalm 16:10 < Acts 2:31

‘He wouldn’t remain in the grave, and his flesh wouldn’t decay’ [Ps 16:10].

Psalm 16:10 < Acts 13:35

‘You won’t let your Holy One decay’ [Ps 16:10 LXX].

Psalm 18:49 < Romans 15:9

*“Because of this I’ll acknowledge you among the Gentiles;
I’ll sing praises to you” [Ps 18:49].*

Psalm 19:4 < Romans 10:18

*“Their sound went out all over the earth,
and their words to the ends of the world” [Ps 19:4].*

Psalm 22:1 < Matthew 27:46

“Eli, Eli, lama sabachthani (My God, my God, why have you deserted me)?” [Ps 22:1]

Psalm 22:1 < Mark 15:34

“Eloi, Eloi, lama sabachthani (My God, my God, why have you deserted me)?” [Ps 22:1]

Psalm 22:18 < John 19:24

*“They divided my garments among them,
and cast lots for my clothes” [Ps 22:18].*

Psalm 22:22 < Hebrews 2:12

¹²*“I’ll proclaim you to my brothers.
I’ll sing your praises in the congregation” [Ps 22:22].*

Psalm 24:1 < 1 Corinthians 10:26

“The earth and everything in it belongs to the LORD” [Ps 24:1; 50:12; 89:1].

Psalm 32:1-2 < Romans 4:7-8

⁷*“Fortunate are the ones whose unlawful deeds God forgives,
whose sins he covers up.*

⁸*Fortunae is the person whose sin the Lord
doesn’t hold against him” [Ps 32:1-2].*

Psalm 34:12-16 < 1 Peter 3:10-12

¹⁰*“Whoever wants to love life
and see good days
must stop his tongue from evil
and his lips from deceit.*

¹¹*He has to turn from evil and do good;
he needs to look for peace and pursue it.*

¹²*The LORD has his eye on the righteous
and his ear toward their prayer.*

*He sets his face against
the ones that do evil” [Ps 34:12-16].*

Psalm 34:20 < John 19:36
“Don’t break any of its bones” [Ex 12:46; Num 9:12; (Ps 34:20)].

Psalm 36:1 < Romans 3:19
*“Not one person is righteous,
not a one.
¹¹Nobody understands;
nobody seeks God.
¹²They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.
 None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].
¹³Their throat’s an open grave;
they deceive with their tongues [Ps 5:9];
there’s snake poison behind their lips [Ps 140:3];
¹⁴their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];
¹⁵their feet run to shed blood;
¹⁶ruin and misery lie in their path;
¹⁷they don’t know the path to peace [Is 59:7-8].
¹⁸There’s no respect for God in them [Ps 36:1].*

Psalm 40:6-8 < Hebrews 10:5-7
*“You didn’t want sacrifice and offering,
but you prepared a body for me.
⁶You didn’t delight in whole burnt offerings
and sacrifices for sins.
⁷Then I said,
‘I’ve come to do your will, God;
it’s been written about me in the scroll’” [Ps 40:6-8].*

Psalm 44:22 < Romans 8:36
*“We’re killed all day long for your sake;
we’re considered sheep for slaughter” [Ps 44:22].*

Psalm 45:6-7 < Hebrews 1:8
*“Your throne, God, is forevermore;
the scepter of your kingdom is a righteous one.
⁹You’ve loved goodness and hated lawlessness,
so God has anointed you
with greater gladness than your companions” [Ps 45:6-7].*

Psalm 50:12 < 1 Corinthians 10:26

“The earth and everything in it belongs to the LORD” [Ps 24:1; 50:12; 89:1].

Psalm 51:4 < Romans 3:4

*“... that you may be regarded
as just in your words
and correct in your judgments” [Ps 51:4].*

Psalm 53:3 < Romans 3:10-12

*“Not one person is righteous,
not a one.
Nobody understands;
nobody seeks God.
They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.
None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].*

Psalm 68:18 < Ephesians 4:8

*“He ascended on high
and captured captivity;
he gave gifts to men” [Ps 68:18].*

Psalm 69:4 < John 15:25

‘They hated me for no reason’ [Ps 35:19; 69:4].

Psalm 69:9 < John 2:17

“Zeal for my house has consumed me.” [Ps 69:9]

Psalm 69:9 < Romans 15:3

“The insults of the ones that insulted you have fallen on me” [Ps. 69:9b].

Psalm 69:22-23 < Romans 11:9-10

*“Let their table become a snare and a trap,
a stumbling block and payback.
¹⁰May their eyes grow dark so they can’t see;
bend their backs always” [Ps 69:22-23].*

Psalm 69:25 < Acts 1:20

*‘Let his house be deserted, and
let nobody live in it’ [Ps 69:25].*

Psalm 78:2 < Matthew 13:35

*“I’ll speak to them in parables;
I’ll declare things not revealed
since the founding of the world” [Ps 78:2].*

Psalm 78:24 < John 6:31

‘He gave them food from the sky to eat’” [Ps 78:24].

Psalm 82:6 < John 6:31

‘I said, you are gods?’ [Ps 82:6]

Psalm 89:1 < 1 Corinthians 10:26

*“The earth and everything in it
belongs to the LORD” [Ps 24:1; 50:12; 89:1].*

Psalm 89:20 < Acts 13:22

‘I’ve found David, son of Jesse, a man after my own heart, who’ll do my will’ [Ps 89:20].

Psalm 91:11-12 < Matthew 4:5; Luke 4:10-11: “*He’ll command his angels to catch you so you’ll never trip over a rock.*” Matthew and Luke do not word the second line the same.

*‘He’ll command his angels to catch you
so you’ll never trip over a rock’” [Ps 91:11-12].*

Psalm 91:11 < Luke 4:10

‘He’ll command his angels to guard you’ [Ps 91:11].

Psalm 91:12 < Luke 4:11

*‘They’ll carry you on their hands
so you’ll never trip over a rock’” [Ps 91:12].*

Psalm 94:11 < 1 Corinthians 3:20

“The LORD knows that the speculations of the wise don’t mean anything” [Ps 94:11].

Psalm 95:7-11 < Hebrews 3:7-11

*“Today, if you hear him speaking to you,
8don’t harden your hearts
like they did when they rebelled—
and tested me in the desert,
9where your ancestors tested me at Meribah,*

*and saw my works ¹⁰forty years.
 That generation displeased me,
 and I said,
 ‘They always stray in their hearts;
 they don’t know my ways.’
¹¹As I swore in my anger,
 ‘They’re not going to go into my rest!’” [Ps 95:7-11]*

Psalm 95:7-8 < Hebrews 3:15

*“Today, if you hear him speaking to you,
 don’t harden your hearts
 like they did when they provoked me” [Ps 95:7-8].*

Psalm 95:7-8 < Hebrews 4:7

*“Today, if you hear him speaking to you,
 don’t harden your hearts” [Ps 95:7-8].*

Psalm 95:11 < Hebrews 4:3

*“As I swore in my anger,
 ‘They’re not going to go into my rest!’” [Ps 95:11]*

Psalm 95:11 < Hebrews 4:5

“They’re not going to go into my rest!” [Ps 95:11]

Psalm 102:25-27 < Hebrews 1:10-12

*“In the beginning, LORD, you founded the earth
 and made the heavens.*

*¹¹They’ll perish, but you’ll remain;
 they’ll get old like a robe;
¹²you’ll fold them up like a cloak;
 you’ll exchanged them like a robe.
 But you’re the same;
 your years won’t end” [Ps 102:25-27].*

Psalm 104:4 < Hebrews 1:7

*“Who makes his angels spirits,
 and his ministers flames of fire” [Ps 104:4].*

Psalm 109:8 < Acts 1:20

‘Let someone else take his place of oversight’ [Ps 109:8].

Psalm 110:1 < Matthew 22:44

*⁴⁴The LORD said to my Lord,
 “Sit on my right hand*

till I make your enemies your footstool? [Ps 110:1]

Psalm 110:1 < Mathew 26:64

*'From now on you'll see the Son of Man,
sitting on the right hand of the Power of God, and
and coming on the clouds in the sky'" [Ps 110:1].*

Psalm 110:1 < Mark 12:35

*'The LORD said to my Lord,
"Sit on my right hand
till I make your enemies your footstool"' [Ps 110:1].*

Psalm 110:1 < Mark 14:62

*'and you'll see the Son of Man,
sitting on the right hand of Power and
coming with the clouds'" [Ps 110:1].*

Psalm 110:1 < Lk 20:42-43

*'The LORD said to my Lord,
"Sit on my right hand
⁴³till I make your enemies your footstool'"' [Ps 110:1].*

Psalm 110:1 < Acts 2:34-35

*'The LORD said to my Lord,
"Sit on my right hand
³⁵till I make your enemies your footstool'"' [Ps 110:1].*

Psalm 110:1 < Hebrews 1:13

*"Sit on my right hand,
till I make your enemies your footstool" [Ps 110:1]?*

Psalm 110:4 < Hebrews 7:20

*"The LORD swore
and won't change his mind,
'You're a priest forever'"' [Ps 110:4].*

Psalm 110:4 < Hebrews 5:6

*"You're a priest forever
after the order of Melchizedek"' [Ps 110:4].*

Psalm 110:4 < Hebrews 7:17

*"You're a priest forever
after the order of Melchizedek"' [Ps 110:4].*

Psalm 110:11 < Luke 22:69

"the Son of Man will sit on the right hand of the power of God" [Ps 110:1].

Psalm 112:9 < 2 Corinthians 9:9

"He has distributed to everybody;

*he has given to the poor.
His goodness remains forever” [Ps 112:9].*

Psalm 116:10 < 2 Corinthians 4:13
“I believed; so I spoke” [Ps 116:10].

Psalm 117:1 < Romans 15:11
*“Praise the LORD, all nations;
praise him, all peoples” [Ps 117:1].*

Psalm 118:6 < Hebrews 13:6
*“The LORD’s my helper;
I won’t be afraid.
What are people going to do to me?” [Ps 118:6].*

Psalm 118:22-23 < Matthew 21:42
*‘The stone the builders rejected
has become the cornerstone.
This has come from the LORD;
isn’t it amazing to us?’ [Ps 118:22-23]*

Psalm 118:22-23 < Mark 12:10-11
*‘The stone the builders rejected
has become the cornerstone.
¹¹This has come from the LORD;
isn’t it amazing?’’ [Ps 118:22-23]*

Psalm 118:22 < Luke 20:17
*‘The stone the builders rejected
has become the cornerstone?’ [Ps 118:22]*

Psalm 118:22 < Acts 4:11
*‘The stone you builders rejected
that has become the cornerstone’ [Ps 118:22].*

Psalm 118:22 < 1 Peter 2:7a
*“a stone the builders rejected
that has become the cornerstone” [Ps 118:22],*

Psalm 118:25-26 < Matthew 21:9
*“Hosanna to the son of David!
Blessed is the One that’s coming in the name of the LORD [Ps 118:25-26].
Hosanna in the highest!”*

Psalm 118:25-26 < Mark 11:9
“Hosanna!

Blessed is the one that's coming in the name of the LORD [Ps 118:25-26].

¹⁰**Blessed is the coming kingdom of our ancestor David.**

Hosanna in the highest!"

Psalm 118:26 < Matthew 22:39

'Blessed is the One that's coming in the name of the LORD'" [Ps 118:26].

Psalm 118:26 < Luke 13:35

'Blessed is the One that's coming in the LORD's name'" [Ps 118:26].

Psalm 118:26 < Luke 19:38

³⁸**"Blessed is the king that's coming
in the name of the LORD"** [Ps 118:26].

Psalm 118:26 < John 12:13

"Hosanna!"

**Blessed is the One that's coming in the name of the LORD,'
even the King of Israel"** [Ps 118:26].

Psalm 132:11 < Acts 2:30

'God had solemnly sworn that his descendant would sit on his throne' [Ps 132:11].

Psalm 135:14 < Hebrews 10:30b

"The LORD will judge his people" [Deut 32:36; Ps 135:14].

Psalm 140:3 < Romans 3:13b

**"Not one person is righteous,
not a one.**

¹¹**Nobody understands;
nobody seeks God.**

¹²**They've all turned away;
as a group they're depraved.**

None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].

¹³**Their throat's an open grave;
they deceive with their tongues** [Ps 5:9];
there's snake poison behind their lips [Ps 140:3];
¹⁴**their mouth is full of cursing and spite** [Ps 10:7];
¹⁵**their feet run to shed blood;**
¹⁶**ruin and misery lie in their path;**
¹⁷**they don't know the path to peace** [Is 59:7-8].

¹⁸**There's no respect for God in them** [Ps 36:1].

Proverbs 3:11-12 < Hebrews 12:5-6

**"My son, don't take lightly the LORD's discipline,
or give up when he scolds you.**

⁶**The LORD disciplines the one he loves,
and punishes every son he receives"** [Pro 3:11-12].

Proverbs 3:34 LXX < James 4:6

“God resists the proud, but he’s gracious to the humble” [Pro 3:34 LXX].

Proverbs 3:34 < 1 Peter 5:5

**“God resists the proud,
and gives grace to the humble” [Pro 3:34 LXX].**

Proverbs 11:31 < 1 Peter 4:18

**18 “If good people are barely saved,
where will godless people come in?” [Pro 11:31 LXX].**

Proverbs 25:21-22 < Romans 12:20

**“If your enemy’s hungry, feed him;
if he’s thirsty, give him a drink.
If you do that,
you’ll pour hot coals on his head” [Pro 25:21-22].**

Proverbs 26:11 < 2 Peter 2:22

“The dog returned to his vomit” [Pro 26:11],

Isaiah 1:9 < Romans 9:29

Isaiah 6:6-10 < Mark 4:12

**‘They’ll certainly see, but not perceive.
They’ll certainly hear, but not understand, and
be converted, and
I forgive them’ [Is 6:9-10].**

Isaiah 6:9-10 < Matthew 13:14-15

**‘You’ll certainly hear, but not comprehend;
you’ll certainly see, but not perceive,
15 because this people has become insensitive.
They’re hard of hearing, and
they’ve closed their eyes
so they won’t see with their eyes
or hear with their ears
or comprehend with their heart
and be converted,
so I could heal them’ [Is 6:9-10].**

Isaiah 6:9-10 < Luke 8:10

**‘Though they see, they don’t see; and
though they hear, they don’t understand’ [Is 6:9-10].**

Isaiah 6:9-10 < Acts 28:26-27

²⁶*“Say to this people,
“You certainly hear, but don’t understand;
you certainly see, but don’t sense.*

²⁷*This people’s heart has grown dull.
They’ve become hard of hearing, and
closed their eyes
so they won’t see with their eyes
or hear with their ears
or comprehend with their heart
and be converted,
so I could heal them”* [Is 6:9-10].

Isaiah 6:10 < John 12:40

⁴⁰*“He blinded their eyes, and
hardened their heart,
so they couldn’t see with their eyes, and
understand with their heart, and
be converted, and
I could heal them”* [Is 6:10].

Isaiah 7:14 < Matthew 1:23

²³*“A virgin will have a son;
they’ll call him ‘Emmanuel’ (‘God with us’)”* [Is 7:14].

Isaiah 8:14 < 1 Peter 2:8

*“a stone they trip over,
a rock that offends them”* [Is 8:14].

Isaiah 9:1-2 < Matthew 4:15-16

¹⁵*“Land of Zebulun, land of Naphtali,
by the road along the lake,
near the Jordan,
Galilee of the Gentiles—
16The people that lived in darkness
saw a bright light.
A light dawned on the people living
in the region and shadow of death”* [Is 9:1-2].

Isaiah 9:2 < 2 Corinthians 4:6

“Light will shine out of darkness” [Gen 1:3; Is. 9:2],

Isaiah 10:22-23 < Romans 9:27

*“Though the number of Israelites is like the sand by the sea,
only a remnant will be saved.*

²⁸*The LORD will thoroughly and quickly carry out his word in the world” [Is 10:22-23; Hos 1:10].*

Isaiah 11:10 < Romans 15:12

*“A root will come out of Jesse,
One who will arise to govern the Gentiles.
They’ll put their hope in him” [Is 11:10].*

Isaiah 22:13 < 1 Corinthians 15:32

*“Let’s eat and drink;
we’re going to die tomorrow” [Is 22:13; 56:12].*

Isaiah 28:11 < 1 Corinthians 14:21

*“I’ll speak to this people
in foreigner languages
with the lips of foreigners;
they won’t even listen to me that way, ’ the LORD says” [Is 28:11; Deut 28:49].*

Isaiah 28:16 < Romans 9:33

*“I’m laying a stone in Zion that people trip over,
and a rock that offends.
The person that trusts him won’t be disappointed” [Is 28:16].*

Isaiah 28:16 < 1 Peter 2:6

²⁴*“Flesh is like grass;
its beauty is like blossoms in the grass.
The grass dries up;
the blossoms fall off;
but what the LORD says lasts forever” [Is 40:6-8].*

Isaiah 28:16 < Romans 10:11

“He won’t disappoint the one that trusts him” [Is 28:16].

Isaiah 29:10 < Romans 11:8

*“To this day, God has given them a stupor,
eyes that can’t see,
and ears that can’t hear” [Deut 29:4; Is 29:10].*

Isaiah 29:12 LXX < Matthew 15:8-9

⁸*'This people honors me with their lips,
but their heart is far from me.
They worship me without meaning it, and
teach as doctrines the rules of men'" [Is 29:12 LXX].*

Isaiah 29:13 < Mark 6:6-7

*'This people honors me with their lips,
but their heart is far from me.
They worship me without meaning anything,
and teach as doctrines the rules of men'" [Is 29:13 LXX].*

Isaiah 29:14 < 1 Corinthians 1:19

*"I'll destroy the wisdom of the wise,
and set aside the insight of the insightful" [Is 29:14].*

Isaiah 40:3-5 < Luke 3:4

*"One shouting in the desert,
'Get the road ready for the LORD.
Make it straight.
Fill every chuck hole.
Level out every bump and high spot.
Straighten out the curves.
Smooth out the rough patches.
Everybody will see God's salvation" [Is 40:3-5].*

Isaiah 40:3 < Matthew 3:3

*"The one shouting in the desert,
'Get the road ready for the LORD.
Make it straight'" [Is 40:3].*

Isaiah 40:3 < Mark 1:3

*"I'll send my messenger ahead of you
to prepare your way [Ex 23:20; Mal 3:1],
one shouting in the desert,
'Get the road ready for the LORD.
Make it straight'" [Is 40:3].*

Isaiah 40:3 < John 1:23

"I'm the one shouting in the desert, 'Make the way of the LORD straight' [Is 40:3]

Isaiah 40:6-8 < 1 Peter 1:24-25

²⁴*"Flesh is like grass;
its beauty is like blossoms in the grass.*

*The grass dries up;
the blossoms fall off;
25but what the LORD says lasts forever” [Is 40:6-8].*

Isaiah 40:13 < 1 Corinthians 2:16

**16“Who knows the mind of the LORD;
Who’s going to advise him?” [Is 40:13].**

Isaiah 42:1-4 < Matthew 12:18-21

**18“My servant that I’ve chosen,
my beloved that delights me—
I’ll put my Spirit on him,
and he’ll declare judgment to the nations.**

**19He won’t quarrel or shout;
nobody will hear him in the streets.**

**20He won’t break a bent reed,
or put out smoking flax,
till he brings out justice to victory.**

21The nations will put their hope in him” [Is 42:1-4].

Isaiah 43:6 < 2 Corinthians 6:16-18

**“I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.**

**17So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.**

**‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.**

**18I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].**

Isaiah 43:20 < 1 Peter 2:9

a chosen race [Is 43:20]

Isaiah 43:21 < 1 Peter 2:9

**a people that belongs to God. That’s so you can proclaim his excellence [Is
43:21]**

Isaiah 45:21 < Mark 12:32

there's no other God besides him [Deut 4:35; Is 45:21].

Isaiah 45:23 < Romans 14:11

*"As sure as I live,' the Lord says,
'every knee will bend to me,
and every tongue will acknowledge me'"* [Is 49:18; 45:23].

Isaiah 49:6 < Acts 13:47

*'I'll make you a light to the Gentiles,
so you can save the whole world'"* [Is 49:6].

Isaiah 49:8 < 2 Corinthians 6:2

*"At the right time I listened to you;
on a day of salvation I helped you"* [Is 49:8].

Isaiah 49:18 < Romans 14:11

*"As sure as I live,' the Lord says,
'every knee will bend to me,
and every tongue will acknowledge me'"* [Is 49:18; 45:23].

Isaiah 52:5 < Romans 2:24

"Gentiles blaspheme God because of you" [Is 52:5],

Isaiah 52:7 < Romans 10:15

"How welcome are the ones that bring good news!" [Is 52:7; Nah 1:15]

Isaiah 52:11 < 2 Corinthians 6:16-18

*"I'll live and walk among them;
I'll be their God,
and they'll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,' the LORD says.*

*'Don't touch anything unclean,
and I'll welcome you in.*

¹⁸*I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,'
the LORD Almighty says"* [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6; 52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Isaiah 52:15 < Romans 15:21

**“They’ll see, who haven’t received news about him;
They’ll understand, who haven’t heard” [Is 52:15].**

Isaiah 52:15 < 1 Corinthians 2:9

**“Eye hasn’t seen, ear hasn’t heard,
people haven’t imagined
what God’s prepared for the ones that love him” [Is 64:4; 52:15; Sir 1:10].**

Isaiah 53:1-3 < Romans 3:10-12

**“Not one person is righteous,
not a one.**

**11 Nobody understands;
nobody seeks God.**

**12 They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.**

None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].

**13 Their throat’s an open grave;
they deceive with their tongues [Ps 5:9];
there’s snake poison behind their lips [Ps 140:3];
14 their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];
15 their feet run to shed blood;
16 ruin and misery lie in their path;
17 they don’t know the path to peace [Is 59:7-8].**

18 There’s no respect for God in them [Ps 36:1].

Isaiah 53:1 < John 12:38

**“Lord, who has believed our report, and
who has the arm of the Lord been revealed to?” [Is 53:1]**

Isaiah 53:1 < Romans 10:16

“Lord, who’s believed our report?” [Is 53:1]

Isaiah 53:4 < Matthew 8:17

**“He took our weaknesses,
and bore our illnesses” [Is 53:4].**

Isaiah 53:7-8 < Acts 8:32-33

**“They led him like a sheep to slaughter;
and like a lamb silent in front of its shearers,
he didn’t open his mouth.**

**33 In his humble condition justice was taken away.
Who will tell about his family,
because his life has been taken from the earth?” [Is 53:7-8 LXX]**

Isaiah 53:9 < 1 Peter 2:22

²²He “*didn’t sin or deceive*” [Is 53:9].

Isaiah 53:12 < Luke 22:37

‘*They considered me a criminal*’ [Is 53:12].

Isaiah 54:1 < Galatians 4:27

“*Celebrate, barren one that doesn’t bear;
cry out and scream, woman that’s not in labor.
The woman that’s by herself has more children
than the one with a husband*” [Is 54:1].

Isaiah 55:3 < Acts 13:34

‘*I’ll give you the sure blessings of David*’ [Is 55:3: LXX].

Isaiah 56:7 < Matthew 21:13

‘*Call my house a house of prayer*’ [Is 56:7].

Isaiah 56:7 < Mark 11:16

‘*Call my house a house of prayer for all the nations*? [Is 56:7]

Isaiah 56:7 < Luke 19:46

‘*Call my house a house of prayer*’ [Is 56:7].

Isaiah 56:12 < 1 Corinthians 15:32

“*Let’s eat and drink,
we’re going to die tomorrow*” [Is 22:13; 56:12].

Isaiah 58:6 < Luke 4:19

¹⁸“*The Spirit of the LORD is on me.
He’s anointed me to tell good news to the poor.
He sent me to announce release to captives,
and sight to the blind,
to free the afflicted,
19to announce the LORD’s acceptable time*” [Is 61:1-2; 58:6].

Isaiah 59:7-8 < Romans 3:15-16

“*Not one person is righteous,
not a one.*

¹¹*Nobody understands;
nobody seeks God.*

¹²*They’ve all turned away;
as a group they’re depraved.*

None of them are kind, not a one [Ps 14:1-3; 53:1-3].

¹³*Their throat's an open grave;*

they deceive with their tongues [Ps 5:9];

there's snake poison behind their lips [Ps 140:3];

¹⁴*their mouth is full of cursing and spite [Ps 10:7];*

¹⁵*their feet run to shed blood;*

¹⁶*ruin and misery lie in their path;*

¹⁷*they don't know the path to peace [Is 59:7-8].*

¹⁸*They have no respect for God [Ps 36:1].*

Isaiah 59:20-21 < Romans 11:26-27

*“A deliverer will come out of Zion;
he'll turn away ungodliness from Jacob.*

²⁷*That's my covenant with them,*

when I take away their sins” [Is 59:20-21].

Isaiah 61:1-2 < Luke 4:18

¹⁸*“The Spirit of the LORD is on me.
He's anointed me to tell good news to the poor.
He sent me to announce release to captives,
and sight to the blind,
to free the afflicted,
to announce the LORD's acceptable time” [Is 61:1-2; 58:6].*

Isaiah 62:11 < Matthew 21:5a

⁵*“Say to the daughter of Zion [Is 62:11],
'Your king's coming to you,
humble and riding on a donkey—
the colt of a donkey” [Zech 9:9].*

Isaiah 64:4 < 1 Corinthians 2:9

*“Eye hasn't seen, ear hasn't heard,
people haven't imagined
what God's prepared for the ones that love him” [Is 64:4; 52:15; Sir 1:10].*

Isaiah 65:1 < Romans 10:20

*“People found me that weren't looking for me;
they saw me who weren't asking about me” [Is 65:1].*

Isaiah 65:2 LXX < Romans 10:21

*“All day long I've stretched out my hands
to a disobedient, stubborn people” [Is.65:2 LXX].*

Isaiah 66:1 < Acts 7:49-50

⁴⁹“*The sky’s my throne;
the earth’s my footstool.
What kind of house are you going to build me,” the LORD says?
Where will I rest?*

⁵⁰*Haven’t I made all this?”* [Is 66:1-2]

Jeremiah 6:24 < 1 Corinthians 1:31

“*Whoever is proud should be proud of what he has in the Lord*” [Jer 9:24].

Jeremiah 9:24 < 2 Corinthians 10:17

“*The one that boasts should boast in the LORD*” [Jer 9:24].

Jeremiah 31:1 < 2 Corinthians 6:16-18

“*I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.
‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.*

¹⁸*I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says”* [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Jeremiah 31:9 < 2 Corinthians 6:16-18

“*I’ll live and walk among them;
I’ll be their God,
and they’ll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.
‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.*

¹⁸*I’ll be your Father,
and you’ll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says”* [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].

Jeremiah 31:15 < Matthew 2:18

¹⁸*“A sound was heard in Ramah,
weeping and great mourning,
Rachel weeping for her children.
She wouldn’t be consoled;
they were no longer living” [Jer 31:15].*

Jeremiah 31:31-34 < Hebrews 8:8-12

*“The time’s coming
when I’ll make a new covenant
with Israel and Judah.
⁹It won’t be like the covenant I made with their ancestors,
when I brought them out of Egypt.
They didn’t continue on in my covenant,
and I wasn’t pleased with them.
¹⁰This is the covenant I’ll make with Israel later:
I’ll put my laws in their mind,
and I’ll write them on their hearts.
I’ll be their God,
and they’ll be my people.
¹¹Nobody will be teaching his fellow citizen and brother,
‘Know the LORD.’
They’ll all know me from smallest to greatest,
¹²because I’ll have mercy on their sins,
and I won’t remember them anymore” [Jer 31:31-34].*

Jeremiah 31:33 < Hebrews 10:16

¹⁶*“This is the covenant I’ll make with them
after those days:
I’ll put my laws in their hearts;
I’ll write them on their minds” [Jer 31:33];*

Jeremiah 31:34 < Hebrews 10:17

*“I won’t remember their sins
and lawless deeds anymore” [Jer 31:34].*

Jeremiah 32:6-9 < Matthew 27:9-10

*“They took thirty silver shekels,
the price of the One they priced,
¹⁰and bought a potter’s field,
like the LORD commanded me” [Zech 11:12-13; Jer 32:6-9].*

Jeremiah 32:8 < 2 Corinthians 6:16-18

“*I'll live and walk among them;
I'll be their God,
and they'll be my people.*

17 *So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.
‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.*

18 *I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

Ezekiel 37:27 < 2 Corinthians 6:16-18

“*I'll live and walk among them;
I'll be their God,
and they'll be my people.*

17 *So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.
‘Don’t touch anything unclean,
and I’ll welcome you in.*

18 *I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

Daniel 7:13-14 < Mark 13:26

26 *Then people will see the Son of Man coming on the clouds* [Dan 7:13-14] *with great power and glory.*

Daniel 7:13 < Matthew 26:64

‘From now on you’ll see the Son of Man sitting on the right hand of the Power of God, and and coming on the clouds in the sky’” [Ps 110:1; Dan 9:13].

Daniel 7:13 < Luke 21:27

27 *People will see ‘the Son of Man coming on a cloud’* [Dan 7:13]

Hosea 1:8 < 2 Corinthians 6:16-18

“*I'll live and walk among them;
I'll be their God,
and they'll be my people.*

¹⁷*So come out from among them
and be separate,’ the LORD says.
'Don't touch anything unclean,
and I'll welcome you in.*

¹⁸*I'll be your Father,
and you'll be my sons and daughters,’
the LORD Almighty says” [Ex 20:34, 41; 25:8; 29:45; Lev 26:12; 2 Sam 7:8, 14; Is 43:6;
52:11; Jer 31:1, 9; 32:28; Ezek 37:27; Hos 1:10].*

Hosea 1:10 < Romans 9:26

*“I'll call them my people that weren't my people;
and I'll call them beloved that weren't beloved [Hos 2:23].*

²⁶*Where it was said, ‘You're not my people,’
there they'll be called ‘sons of the living God’” [Hos 1:10].*

Hosea 1:10 < Romans 9:27

*“Though the number of Israelites is like the sand by the sea,
only a remnant will be saved.*

²⁸*The LORD will thoroughly and quickly carry out his word in the world” [Is
10:22-23; Hos 1:10].*

Hosea 2:23 < Romans 9:25

*“I'll call them my people that weren't my people;
and I'll call them beloved that weren't beloved [Hos 2:23].*

²⁶*Where it was said, ‘You're not my people,’
there they'll be called ‘sons of the living God’” [Hos 1:10].*

Hosea 11:1 < Matthew 2:15

“I've called my son out of Egypt” [Hos 11:1].

Hosea 13:14 < 1 Corinthians 15:54-55

“Victory has swallowed up death? [Is 25:8]

⁵⁵*Death, where's your victory?*

Death, where's your sting?” [Hos 13:14]

Joel 2:28-32 < Acts 2:17-21

¹⁷*“In the last days,” God says,*

*“I'll pour my Spirit out on all kinds of people:
your sons and daughters will prophesy,
your young men will see visions,
your old men will dream dreams, and*

¹⁸*my servants and handmaids will prophesy.*

¹⁹“*I'll show you wonders in the sky above, and signs on the earth below—blood, fire, and smoke.*

²⁰*The sun will go dark, and the moon will turn red, before the great day of the LORD comes.*

²¹“*Whoever calls on the LORD will be saved”* [Joel 2:28-32].

Joel 2:32 < Romans 10:13

. “*The LORD will save everybody that calls on him”* [Joel 2:32].

Amos 5:25 < Acts 7:42-43

‘*You didn't offer me slain victims and sacrifices, for forty years in the wilderness, did you, Israel?*

⁴³*You carried the tabernacle of Moloch and the star of Rephan, images you made to worship.*

I'll carry you away beyond Babylon’ [Amos 5:25-27].

Amos 9:11-12 < Acts 15:16-17

¹⁶“*After this I'll return, and rebuild David's tabernacle that's fallen.*

I'll rebuild it and set it up.

I'll do that so

¹⁷*that the rest of mankind may seek the LORD, that is, the Gentiles who wear my name,” the LORD says who is doing this’* [Amos 9:11-12],

¹⁸*who is known from of old.’*

Jonah 1:7 < Matthew 12:40

‘*Jonah was in the stomach of the sea monster for three days and three nights’*

[Jon 1:17],

Micah 5:2 < Matthew 2:6

⁶‘*You, Bethlehem, in Judah, are by no means least among the leaders of Judah, because a leader will come out of you that will shepherd my people Israel’”* [Mic 5:2].

Micah 7:6 < Matthew 10:35-36

man ‘against father,’ ‘daughter against mother,’

'daughter-in-law against mother-in-law.'

³⁶*'A man's enemies will be in his own house'* [Mic 7:6].

Nahum 1:15 < Romans 10:15

"How welcome are the ones that bring good news!" [Is 52:7; Nah 1:15]

Habakkuk 1:5 < Acts 13:41

⁴¹*'Look, you despisers;
marvel and perish.*

*I'll do something in your day you wouldn't believe
even if someone explained it to you'*" [Hab 1:5 LXX].

Habakkuk 2:3-4 < Hebrews 10:37-38

³⁷*"In a little while
the One that's coming will come;
and my righteous one will have life by faith.
If he gives up,
I won't be pleased with him"* [Hab 2:3-4].

Habakkuk 2:4 < Romans 1:17

"A good person will have life by trusting" [Hab 2:4].

Habakkuk 2:4 < Galatians 3:11

"A good person will have life by trusting" [Hab 2:4].

Haggai 2:6 < Hebrews 12:26

*"One more time I'll shake,
not just the earth, but the sky too"* [Hag 2:6].

Zechariah 8:16 < Ephesians 4:25

"each of you speak truthfully with your neighbor" [Zech 8:16],

Zechariah 9:9 < Matthew 21:5b

⁵*"Say to the daughter of Zion [Is 62:11],
'Your king's coming to you,
humble and riding on a donkey—
the colt of a donkey'"* [Zech 9:9].

Zechariah 9:9 < John 12:15

¹⁵*"Don't be afraid, daughter of Zion.
Look! Your king's coming,
sitting on a donkey's colt"* [Zech 9:9].

Zechariah 11:12-13 < Matthew 27:9-10

*“They took thirty silver shekels,
the price of the One they priced,
¹⁰and gave them for a potter’s field,
like the LORD commanded me”* [Zech 11:12-13; Jer 32:6-9].

Zechariah 12:10 < John 19:37

“They’ll look at the one they speared” [Zech 12:10].

Zechariah 13:7 < Matthew 26:31

*‘I’ll strike down the shepherd,
and his sheep will scatter’* [Zech 13:7].

Zechariah 13:7 < Mark 14:27

*‘I’ll strike down the shepherd,
and his sheep will scatter’* [Zech 13:7].

Malachi 1:2-3 < Romans 9:13

“I loved Jacob more than Esau” [Mal 1:2-3].

Malachi 3:1 < Matthew 11:10

*‘I’ll send my messenger in front of you
to fix your road ahead of you’* [Ex 23:20; Mal 3:1].

Malachi 3:1 < Mark 1:2

*“I’ll send my messenger ahead of you
to prepare your way* [Ex 23:20; Mal 3:1],
³*one shouting in the desert,
‘Get the road ready for the LORD.
Make it straight’”* [Is 40:3].

Malachi 3:1 < Luke 7:27

*‘I’ll send my messenger before you,
to fix the road ahead of you’* [Mal 3:1].

Summary of Quoted Passages

| | | | | | | | |
|-------------|----|--------------|----|-------|---|-----------|---|
| Genesis | 28 | 1 Chronicles | 1 | Hosea | 5 | Haggai | 1 |
| Exodus | 28 | Psalms | 54 | Joel | 1 | Zechariah | 5 |
| Leviticus | 9 | Proverbs | 5 | Amos | 2 | Malachi | 1 |
| Numbers | 3 | Isaiah | 48 | Jonah | 1 | | |
| Deuteronomy | 32 | Jeremiah | 9 | Micah | 2 | | |
| 2 Samuel | 3 | Ezekiel | 1 | Nahum | 1 | | |

| | | | | | | |
|---------|---|--------|---|----------|-------|-----|
| 1 Kings | 2 | Daniel | 1 | Habakkuk | 2 | |
| | | | | | Total | 245 |

Books not formally quoted: 1 Samuel, 2 Kings, 2 Chronicles, Ezra, Nehemiah, Esther, Job, Ecclesiastes, Song of Solomon, Lamentations, Obadiah, Zephaniah

Notes: Longer quotations include shorter parts within them quoted in other places. In the counting they are considered as one Old Testament passage quoted. Example: Jeremiah **31:31-34** and **31:31** and **31:34** are counted as one quoted Old Testament text.

This listing is based on the Greek text UBS 5th ed rev, 2014

The listing refers only to quotations from the Old Testament. It does not include verbal allusions or factual references.